एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 06 (नवम्बर-दिसम्बर, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

गेहूं की कटाई और मड़ाई

(*डॉ. विवेक यादव[1] एवं मनिका विश्नोई[2])
[1]धान अनुसंधान केंद्र, नगीना, बिजनौर
[2]आर. एस. एम (पी.जी.) कॉलेज, धामपुर
*संवादी लेखक का ईमेल पता: vivekzrsnagina@gmail.com

खेती-किसानी में फसलों की कटाई एवं गहाई एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। आजकल श्रमिकों की उपलब्धता एवं बहुत अधिक श्रमिकी किसानों के लिए एक गंभीर समस्या बन गयी है। परंपरागत रूप से कटाई व गहाई का महीनों तक चलने वाला यह कार्य मशीनों के उपयोग से कुछ दिनों में ही संपन्न हो जाता है। कुछ जगह तो गेहूं कटाई का काम शुरु हो चुका है और अधिकतर जगह (Wheat harvesting) किसान कटाई की तैयारी कर रहे हैं। गेहूं की कुछ किस्मों में अधिक पकने पर दाने झड़ने लगते हैं तथा बालियां टूटकर गिरने लगती हैं। इससे उपज घट जाती है। कटाई में देरी करने पर चूहों व पक्षियों द्वारा भी हानि पहुंचाई जाती है। इसलिए फसल की समय पर कटाई तथा दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सावधानी बरतनी जरूरी है।

कटाई से पहले यह जांच लें कि गेहूं पूरी तरह से पका है या नहीं। बाली को हाथ में मसलकर देखें कि इसमें 18 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं हो। कुछ पौधे कटाई के समय पर भी हरे रह जाते हैं, उनको अलग कर देना चाहिए। उपजाए गेहूं में कुछ मात्रा अगले साल बीजाई के काम लेने के लिए अलग निकालकर सुरक्षित रख लेने चाहिए। इससे बाजार के हल्के स्तर के बीजों के बजाय खुद के विश्वसनीय बीजों को काम में ले सकेंगे।

कटाई का सही समय

गेहूं की कटाई का वैसे तो कोई तय समय नहीं होता, क्योंकि इसकी बुआई कब और कौन से बीज से की है, उसी पर कटाई का समय निर्भर करता है। फिर भी दाने की नमी जांच लें, ताकि दाने के सिकुड़ने की स्थिति नहीं रहे। आमतौर पर 10 अप्रैल के बीच कटाई हो जानी चाहिए। गेहूं की कटाई के बाद और थ्रेसिंग से पहले गेहूं की पूलियां बनाकर खेत में सूखने के लिए रख दें। पूली बांधने के लिए इन्हीं पौधों को एक दिन भिगोकर रखें और अगले दिन पूलिया बांध लें। इसके बाद थ्रेसिंग करें।

गेहूं की गहाई संबधित जरूरी बातें

फसल की गहाई के लिए शक्तिचालित गहाई मशीन "थ्रैशर" का प्रयोग करें। अब ट्रैक्टर द्वारा चालित या स्वचालित ऐसे कम्बाइन-हार्वेस्टर भी उपलब्ध हैं जो कटाई और गहाई साथ-साथ करते हैं।

शक्तिचालित थ्रेसर को चलाते समय की सावधानियां

- ऐसा थ्रैशर चुनें जिसमें कटाई करने वाली फसल यांत्रिक विधि से स्वत: ही अन्दर चली जाए। अधिकतर दुर्घटना थ्रैशर में हाथ से फसल की कटान देते समय ही होती है। थ्रैशर की नाली की लम्बाई कम से कम 90 सैं.मी.तथा ढके हुए हिस्से की लम्बाई 45 सैं.मी.से कम नहीं होनी चाहिए।

- थ्रैशर पर काम करने वाला व्यक्ति काम करते समय किसी भी नशीली वस्तु का प्रयोग न करे।
- गहाई की जाने वाली फसल अच्छी तरह सूखी हुई होनी चाहिए।
- थ्रैशर चलाते समय सभी पुर्जे अच्छी तरह से ढके होने चाहिएं।
- थ्रैशर पर काम करते समय कभी भी ढीले कपड़े तथा हाथ में कड़ा न पहनें।
- फसल की पूलियों को थ्रैशर की नाली में डालते समय अन्दर तक हाथ नहीं दें।
- कुछ पानी तथा रेत थ्रैशर के पास रखें ताकि अचानक आग लगने पर काबू पाया जा सके।
- रात को काम करते समय रोशनी का प्रबन्ध रखें।
- कार्य स्थल पर आकस्मिक चिकित्सा दवाई की पेटी "फर्स्ट-एड-बॉक्स" हमेशा साथ रखें।

गेहूं का सुरक्षित भंडारण

अनाज का भंडारण, भारत का किसान, सदियों से करता चला आ रहा है, किन्तु फिर भी लाखों टन अनाज हर वर्ष खराब हो जाता है। फसल की कटाई के बाद लगभग 10 प्रतिशत अनाज खराब हो जाता है, जिसमें से लगभग 6 प्रतिशत हिस्सा उचित भंडारण सुविधाएं उपलब्ध न होने के कारण खराब होता है। भंडारण करने से पहले गेहूं को अच्छी तरह से सूखा लें। भंडारण के लिए गेहूं में नमी की मात्रा 8 से 10 प्रतिशत होनी चाहिए।

- कभी भी पुरानी बोरियों या कुठला इत्यादि को बिना उपचारित किए भंडारण के लिए उपयोग न करें।यदि भंडारण में पुराने बोरों का प्रयोग करना है तो इन्हें एक प्रतिशत मैलाथियान के घोल में 10 मिनट तक डुबो दें और सुखाकर प्रयोग करें।
- गेहूं का भंडारण करने से पहले लोहे की टंकी को चार-पांच दिन तपती धूप में रखें। धूप में रखने से टंकी में मौजूद कीड़े नष्ट हो जाते हैं।
- भंडारण के लिए प्रयोग किए जाने वाले गोदाम, किसी भी प्रकार की दरार या छेद को भंडारण से पूर्व ही बंद कर लें ताकि संक्रमण से बचा जा सके।
- भंडारण करने से पहले गेहूं की जाँच कर लें ताकि कीड़ों की उपस्थिति का पता लगाया जा सके, यानि पहले ही गेहूं में कीड़ा लगा हो तो एल्यूमिनियम फॉस्फाइड (3 गोली प्रति 10 कुंतल बीज) से प्रधुमित करें।
- अनाज भंडारण में प्रयोग होने वाला एल्युमिनियम फॉस्फाइड 56% एक विषैला रसायन है, इसलिए इसका उपयोग बहुत ही सावधानी पूर्वक करना चाहिए। जहाँ तक सम्भव हो प्रधूमन का कार्य सरकार द्वारा प्रशिक्षित एवं अधिकृत व्यक्तियों द्वारा ही कराना चाहिए।प्रधूमन के बाद हाथ व मूँह को साबुन के साथ अच्छी तरह से साफ कर लेना चाहिए।
- चूहों के नियंत्रण के लिए एल्युमिनियम फॉस्फाइडए चूहे दानी का प्रयोग करें।
- भंडारण के बाद दरवाजे तथा खिड़कियों के जोड़ों को भली प्रकार गीली मिंट्टी से बंद कर दें, लेकिन एक वेंटीलेटर जरूर बनायें।
- गोदामों के आसपास गंदगी न रहने दें, एक गोदाम में एक ही प्रकार का अनाज भंडारित करें।
- टंकी में एक क्विंटल गेहूं भंडारित करते समय एक माचिस (तीलियों से भरी) तली में, दूसरी मध्य में तथा तीसरी माचिस सबसे ऊपर रखनी चाहिए। एक किलो नीम की पत्तियों को छाया में सुखाकर भंडार करने से पहली टंकी की तली में बिछाना चाहिए। इससे गेहूं खराब नहीं होगा, यह तरीका कम मात्रा में गेहूं को भंडारित करने का है।